भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में सोमवार, तिथि ३० मार्च, १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

Short Notice Questions and Answers.

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

DISPOSAL OF CANES OF THE BIG CONCERNS.

100. Shri SAHDEO MAHTO : Will the Minister in charge of the Industries Department be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that in the matter of disposal of canes the big concerns, namely, Birouli, Muktapur and Birsingpur, in the area of the Samastipur Central Sugar Co., Ltd., Samastipur, have been given preferential treatment ;

(*b*) whether it is a fact that the canes of Shrimati Ramjoti Devi of Muktapur concern, Shri D. B. K. N. Singh and Shri Janardan Prasad Singh of Mohiddinpur Estate, Dudhpura concern, and the direct growers of the cane Jamadars' villages, as Garuara, and Bhusari were finished long ago ;

(*c*) whether it is a fact that the canes of the petty small growers, namely, Messrs. Balgovind Mahto of Bikrampur Bandey, Paltan Singh of Sadipur, Nawalkishore Prasad Singh and Brajkishore Prasad Singh of Pokhraira and Pursotam Prasad Singh of Sambhoopatti have been left with more than 50 per cent of their cane although two-thirds of the crushing season have passed ;

(*d*) if the answers to clauses (*a*) and (*b*) be in the affirmative, what action is proposed by Government to be taken against the factory concerned for the violation of the provision of the rule 10 (*f*) of the Bihar Sugar Factories Control Rules, 1938 ;

(*d*) if the answer to the clause (*c*) is in the affirmative, how Government propose to compensate the growers concerned for the losses incurred by them due to inequitable disposal of their cane ?

Shri MAHESH PRASAD SINHA : (*a*) The answer is in the negative.

(*b*) It is true that Shrimati Ramjoti Devi of Muktapur Concern, Shri Janardan Prasad Singh of Mohiuddinpur Estate and Dudhpura Concern disposed of their cane by the end of February but other members of the said estates jointly are still supplying cane.

(*c*) The answer is in the negative.

(*d*) The question does not arise.

(*e*) The question does not arise.

श्री सहदेव महतो—(सी) के बारे में जो कहा है क्या उसकी इन्क्वायरी कर सकते हैं ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—गवर्नमेंट ने इन्क्वायरी की है।

NEED OF GOVERNMENT HIGH SCHOOL IN MAHESHPUR.

*1333. Shri **JITU KISKU** : Will the Minister in charge of the Education Department be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that there is not a single Government High School in the Maheshpur constituency (*i. e.*, P.-S. Pakuria and Maheshpur) in Pakur Subdivision, district of Santhal Parganas ;

(*b*) whether it is a fact that the half of the population of Pakur Subdivision living in the area are mostly the scheduled tribes ;

(*c*) if the answers to clauses (*a*) and (*b*) be in the affirmative, whether Government propose to open one High School in the area, if so, when ?

Shri BADRI NATH VERMA : (*a*) and (*b*). The answer is in the affirmative.

(*c*) There is no such proposal at present before Government.

Shri PURUSHOTTAM CHOUHAN : Why there is no such proposal before Government ?

Shri BADRI NATH VERMA : Because it is not the policy of Government to open high school at every place. Government open high schools only at district headquarters.

सबसिडाइज्ड हाई स्कूल के शिक्षकों को कम वेतन।

*१३३४। श्री बाबू लाल टुडू—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि सबसिडाइज्ड स्कूल ज्यादातर बिहार के उस हिस्से में हैं जो जंगली और पहाड़ी हैं ;

(ख) क्या यह बात सही है कि जगली क्षेत्रों के सबसिडाइज्ड स्कूलों में काम करने वाले शिक्षकों को कम वेतन मिलता है ;

(ग) क्या यह बात सही है कि कम वेतन पाने वाले शिक्षकों को वहां अत्यन्त कष्ट भोगना पड़ता है ;

(घ) क्या यह बात सही है कि सबसिडाइज्ड स्कूलों के शिक्षकों को हाउस एलाउयेंस सरकार नहीं देती है, यदि हां, तो ऐसा क्यों ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—(क) उत्तर हां है।

(ख) उत्तर ना है। अन्य गैर सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की अपेक्षा इस स्कूल के शिक्षकों का क्रम वेतन अच्छा है।

(ग) यह सवाल नहीं उठता है।

(घ) उत्तर हां है। गैर सरकारी हाई स्कूलों के शिक्षकों का हाउस एलाउयेन्स गवर्नमेंट की ओर से नहीं दिया जाता है। सबसिडाइज्ड स्कूलों के संबंध में गवर्नमेंट की यही नीति है कि उनका जितना घाटा होता है वह पूरा करती है।

श्री चुनका हेम्ब्रोम—क्या सरकार बतायेगी कि सबसिडाइज्ड और स्टाइपेंडरी स्कूल में जो टीचर लोगों का वेतन दिया जाता है उनमें क्या अन्तर है।

श्री बदरी नाथ वर्मा—स्टाइपेंडरी स्कूल कोई नहीं है। स्टाइपेंडरी स्कूल प्राइमरी स्कूल है।

श्री चुनका हेम्ब्रोम—क्या सरकार को मालूम है कि सबसिडाइज्ड स्कूल के टीचर लोगों को छः-छः महीने से वेतन नहीं मिला है?

अध्यक्ष—यह प्रश्न नहीं उठता है।

सबसिडाइज्ड हाई स्कूल के शिक्षकों को कम छुट्टी।

*१३३५। श्री बाबू लाल टुडू—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि जिला हाई स्कूलों में १९ दिन की कैजुअल छुट्टी दी जाती है;

(ख) क्या यह बात सही है कि सबसिडाइज्ड हाई स्कूलों के शिक्षकों को वह छुट्टी नहीं दी जाती है;

(ग) क्या यह बात सही है कि सबसिडाइज्ड हाई स्कूल और जिला हाई स्कूल दोनों को सरकार ही चलाती है;

(घ) यदि खंड (क), (ख) और (ग) के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस सम्बन्ध में उचित कार्रवाई करने का विचार करती है?

श्री बदरी नाथ वर्मा—(क) उत्तर 'ना' में है। जिला हाई स्कूलों में १६ दिन की कैजुएल छुट्टी दी जाती है।

(ख) इसकी खबर सरकार को नहीं है। लेकिन इस मामले की जांच हो रही है।

(ग) उत्तर 'न' में है। जिला स्कूलों को गवर्नमेंट चलाती है। सबसिडाइज्ड स्कूलों में गवर्नमेंट सिर्फ उसके घाटे की पूर्त्ति करती है। सरकार खुद उसको नहीं चलाती है।

(घ) हाई स्कूलों में भी १६ दिन कैजुएल छुट्टी की मंजूरी दी जा चुकी है।